तू जहाँ जहाँ चलेगा, मेरा साया साथ होगा...

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

दोस्तों आज हम बात कर रहे हैं भारतीय फिल्मों के उस महान संगीतकार की जिन्होंने अपनी ज़िन्दगी में तो महान संगीत की रचना की ही परंतु जिनकी मृत्यु के कई बरसों बाद उनकी अप्रयुक्त संगीत की धुनों को एक नई फ़िल्म में इस्तेमाल किया गया और वो भी सुपर हिट साबित हुआ, वो संगीतकार जिसने दर्द, प्रेम, जुदाई के भावों को सुरों में ढालकर अमर बना दिया, जिन्हें फ़िल्म संगीत की दुनिया में 'ग़ज़ल सम्राट' के नाम से भी जाना जाता है,वो उन चंद संगीतकारों में थे जिन्होंने फ़िल्म संगीत को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया बल्कि उसे भावनाओं की सुरीली भाषा और आत्मा की रागात्मक अभिव्यक्ति बना दिया.जी हाँ , हम बात कर रहें हैं हिंदी फ़िल्मी दुनिया के सबसे सुरीले संगीतकार मदन मोहन कोहली की जिन्हें हम मदन मोहन के नाम से ज्यादा जानते हैं.

बचपन से ही मदन मोहन का रुझान संगीत की ओर था. यद्यपि उन्होंने संगीत की क़ोई तालीम तो नहीं ली परन्तु संगीत के प्रति उनके रुझान ने उन्हें आकाशवाणी में काम करने का अवसर दिलाया, जहाँ उन्होंने उस्ताद फैयाज़ खान, अली अकबर और तलत महमूद जैसे महान कलाकारों से बहुत कुछ सीखा. फ़िल्मों में उन्होंने शुरुआत 'आँखें' फ़िल्म के लिए संगीत देकर की और आगे चलकर वे संगीत के सबसे बड़े नामों में शुमार हुए. मदन मोहन केवल एक संगीतकार नहीं, बल्कि सुरों के साधक थे.उनकी मधुर धुनें आज भी सुनने वाले के मन को वही माधुर्य, दर्द और सुकून देती हैं. मदन मोहन की धुनें शास्त्रीयता और भावनाओं का अद्भुत संगम थीं. विशेष रूप से उन्होंने ग़ज़ल गायकी को हिंदी सिनेमा में एक नई पहचान दी. उनकी दिलकश रचनाओं में संगीत का सुरीला पन, शब्दों का जादू और आवाज़ की संवेदना का अद्भुत मेल होता था.

उन्होंने आपने जीवन काल में तक़रीबन 100 फिल्मों के 700 से अधिक गीतों की रचना की. उनके संगीत से सजी प्रमुख फिल्मों में 'अनपढ ', 'मदहोश ', 'अदालत ', 'आपकी परछाइयाँ ', मनमौज़ी, 'जेलर', 'हकीकत', 'वो कौन थी ', हँसते जख्म ', 'चिराग ', 'देख कबीरा रोया ', 'हीर रांझा', 'गेटवे ऑफ़ इंडिया', 'मेरा साया ', 'दस्तक ', 'आशियां', 'ग़ज़ल ', 'नौनिहाल ', 'नीला आकाश ', 'जहाँ आरा', 'दुल्हन एक रात की ', 'भाई भाई ', 'चाचा ज़िंदाबाद ', 'हिंदुस्तान की कसम ', 'लैला मजनू ', 'मौसम' जैसी क्लासिक फ़िल्में शामिल हैं.

जिन गीतकारों के जादुई अल्फाज़ को उन्होंने संगीत से सजाया उनमें राजेंद्र कृष्ण, राजा मेहदी अली खान, कैफ़ी आज़मी आदि प्रमुख हैं. यूँ तो उन्होंने लता मंगेशकर, मोहम्मद रफ़ी, तलत महमूद जैसे महान गायकों के साथ कई अद्भुत गीत दिए, परंतु लता मंगेशकर और मदन मोहन की इस जोड़ी ने कई अमर गीतों का सृजन किया, लता मंगेशकर ने एक बार कहा था कि मदन मोहन की धुनों में 'आत्मा की गहराई' है.

उनके गीतों में स्त्री मन की संवेदनाएं और प्रेम की गहराई झलकती है. इस अद्भुत जोड़ी के 'नैना बरसे रिमझिम रिमझिम '(वो कौन थी) 'आपकी नजरों ने समझा' (अनपढ़), 'तेरी आँखों के सिवा' (चिराग) 'यूँ हसरतों के दाग मुहब्बत में धो लिये' (अदालत), अगर मुझसे मोहब्बत है '(आपकी परछाइयां), 'लग जा गले कि फिर ये हसीं रात हो न हो, (वो कौन थी) 'बैयां ना धरो बलमा' (दस्तक), 'वो भूली दास्ताँ (संजोग), 'जाना था हमसे दूर बहाने बना लिए ' (अदालत) जैसे अमर गीत सदियों संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करेंगे द्य

क्या आप यकीन करेंगे कि भारत की सर्वकालिक महान गायिका लता मंगेशकर ने शुरुआत में मदन मोहन के संगीत निर्देशन में गाने से इंकार कर दिया था उन्होंने सोचा कि बड़े बाप का बेटा है (मदन मोहन के पिता राय बहादुर चुन्नी लाल फ़िल्मी दुनिया की बड़ी हस्ती थे) क्या जानता होगा संगीत के बारे में, परंतु बाद में उनका संगीत सुनकर लता दीदी को अपनी भूल का अहसास हुआ और बाद में इसी जोड़ी ने कितने ही मधुर अवस्मरणीय कालजयी गीत दिए. लता मंगेशकर प्राय: अपनी दस सर्वश्रेष्ठ रचनाओं की एल पी निकलवाया करती थीं उसमे मदनमोहन की दो रचनाएं जरूर हुआ करती थीं, उल्लेखनीय है कि लता जी ने ये सम्मान कभी अनिल बिस्वास, सी रामचंद्र, एस डी बर्मन, नौशाद, जैसे बड़े बड़े संगीतकारों को भी नहीं दिया. प्रसिद्ध संगीतकार नौशाद साहब ने उनकी फ़िल्म अनपढ़ की लाजवाब ग़ज़ल, 'है इसीमें प्यार की आबरू वो जफा करें मैं वफ़ा करूँ', की प्रशंसा में कहा था कि मदन मोहन के इस गीत पर मेरा सारा संगीत कुर्बान है.

बड़े अफ़सोस कि बात है कि इतनी महान कालजयी गीतों की रचना के बावजूद कि उनके जीवनकाल में उनको वह प्रसिद्धि व सम्मान नहीं मिल सका जिसके वो हक़दार थे, कारण, उनका संगीत तो सुपर हिट होता था पर फ़िल्में उतनी नहीं चलती थीं. उन्हें कभी फ़िल्म फेयर या अन्य क़ोई बड़ा पुरुस्कार नहीं मिला, हाँ उन्हें फ़िल्म दस्तक के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित जरूर किया गया. मदन मोहन की संगीत रचनाएँ समय के साथ और भी अमर होती चली गईं. यही कारण था कि उनके मरणोपरांत, वर्ष 2004 में यश चोपड़ा की चर्चित फिल्म 'वीर-ज़ारा' में उनके पुराने अप्रयुक्त संगीत को उनके पुत्र संजय कोहली ने इस्तेमाल किया, जिसे काफ़ी सराहा गया और जिससे नई पीढ़ी ने भी उनके संगीत के जादू को महसूस किया.

मदन मोहन का संगीत शास्त्रीयता और संवेदनाओं का अनूठा संगम था. दुर्भाग्यवश, मदन मोहन का जीवन लंबा नहीं रहा, फ़िल्म जगत के व्यवहार से आहत होकर वे अधिक शराब की आदत का शिकार हो गये और इसी कारण कम आयु में ही 14 जुलाई 1975 को उनका निधन हो गया, पर उनके गीत आज भी अमर हैं और आगे भी रहेंगे. उनके निधन पर नौशाद साहब ने शोक व्यक्त करते हुए ठीक ही कहा था– 'इतनी नशीली धुनें बनाने वाले मदन मोहन तुम्हें और नशे की क्या जरूरत थी ? 'मदन मोहन ने फ़िल्म संगीत को मानवीय संवेदना और शास्त्रीय सौंदर्य से भर दिया.उनका संगीत, फ़िल्म संगीत की अमूल्य धरोहर हैं.

वे हमेशा भारतीय फ़िल्म संगीत के स्वर्ण युग के प्रतीक के रूप में जाने जायेंगे.आज के लिये बस इतना ही. अगली मुलाक़ात तक मदन मोहन साहब के सुरीले नग्मे सुनिए और आनंद में रहिये, जाते जाते मदन मोहन का ये अमर गीत सुनते जाइये,

जाना था हमसे दूर बहाने बना लिये
अब तुमने कितनी दूर ठिकाने बना लिये.

सलमान ने सुलझाई लेट लतीफी की परेशानी

बॉलीवुड के मेगा स्टार सलमान खान पर हमेशा सेट पर देर से आने के आरोप लगते रहे हैं. फिल्मों के साथ-साथ रियलिटी शो से लेकर मीडिया रिपोर्ट्स तक, उनका नाम समय-समय पर लेट लतीफी के लिए सुर्खियों में आता रहा है. हाल ही में फिल्म सिकंदर के निर्देशक ए आर मुरुगदास ने भी उनके सेट पर देर से आने और काम में अनियमितता के आरोप लगाए थे.

अब सलमान अपनी आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान के लिए इस आदत को सुधारने के लिए एक नया जुगाड़ अपना रहे हैं. निर्देशक अपूर्व लाखिया के साथ मिलकर उन्होंने एक पद्धति तय की है. सलमान रोजाना खुद बताएंगे कि वह सेट पर कितने बजे पहुंचेंगे. टीम उसी समय के अनुसार शेड्यूल बनाएगी, ताकि शूटिंग समय पर और व्यवस्थित तरीके से हो. सलमान का कहना है कि वह अपनी आदतें नहीं बदल सकते, लेकिन समय की जानकारी देकर शूटिंग को सुचारू बना सकते हैं. इस तरह फिल्म की टीम को भी किसी प्रकार का इंतजार नहीं करना पड़ेगा. सलमान के इस कदम से शूटिंग के दौरान की जाने वाली देरी और लेट लतीफी की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी.

बैटल ऑफ गलवान 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है. यह फिल्म सलमान के करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है. फिल्म अगले साल जून में रिलीज़ होने की संभावना है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. फिल्म की शूटिंग के लिए सलमान ने समय प्रबंधन और स्पष्टता के नए नियम तय किए हैं. अब टीम को सुबह नौ बजे बुलाने की बजाय, सलमान के बताए अनुसार समय तय किया जाएगा.

पंकज त्रिपाठी यूट्यूब सीरीज से प्रोडक्शन में रखेंगे कदम

मिर्जापुर स्टार पंकज त्रिपाठी पहली बार यूट्यूब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' के साथ प्रोडक्शन में कदम रख रहे हैं. जेएआर पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित यह सीरीज आठ एपिसोड की होने वाली है. यह आमिर खान की 'सितारे ज़मीन पर' फिल्म के नक्शेकदम पर चलते हुए इसे भी 'संरचित भुगतान मॉडल' का उपयोग करके इसे जेआर सीरीज की आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर प्रीमियर किया जाएगा.

पलक भांबरी द्वारा निर्मित और सचिन पाठक द्वारा निर्देशित इस सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त में उपलब्ध होंगे, जबकि शेष छह एपिसोड के लिए एकमुश्त 59 रुपये (लगभग 65 सेंट) भुगतान करना पड़ेगा. इस सीरीज़ में गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, सीमा पाहवा, मनोज पाहवा, गिरजा ओक गोडबोले, कावेरी सेठ और हिरवा त्रिवेदी जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है. कहानी करकारिया परिवार, खासकर युवा दानी करकारिया, के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भावनात्मक रूप से एक संवेदनशील बच्ची है. दानी को स्कूल में 'एंग्जायटी अटैक' आता है और पूरा परिवार मनोचिकित्सा उपचार लेने पर मजबूर हो जाता है. परफेक्ट फैमली के एपिसोड पारिवारिक कलह और परिवार के सदस्यों की अनकही उम्मीदों को उजागर करते हैं. इसमें हास्य और भावपूर्ण नाटक का भरपूर मिश्रण किया गया है. त्रिपाठी ने कहा, 'परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है, न सिर्फ़ अपनी कहानी के लिए, बल्कि हमारे द्वारा चुने गए साहसिक वितरण मॉडल के लिए भी. आज, दर्शक सीधे कहानियाँ खोजते हैं और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म प्रीमियम 'लॉन्ग-फॉर्मेट कंटेंट' के लिए मज़बूत मंच बन गए हैं.

पारंपरिक फॉर्मेट से हटकर एक ऐसे मॉडल में अपनी पहली सीरीज़ का निर्माण करना ताज़गी भरा और ज़रूरी दोनों लगा. ' त्रिपाठी ने कहा, 'जब मैंने पहली बार यह विचार सुना, तो मैं तुरंत प्रभावित हो गया. यह एक सच्ची कहानी है जिसे गर्मजोशी और हास्य के स्पर्श के साथ बताया गया है.

सचिन ने एक संवेदनशील विषय को सहानुभूति और संतुलन के साथ प्रस्तुत किया है और मेरा मानना है कि दुनिया भर के परिवार इससे जुड़ाव महसूस करेंगे. मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस सीरीज़ और कहानियों को अनुभव करने के इस नए तरीके को अपनाएँगे. ' निर्माता अजय राय ने कहा, 'जेएआर पिक्चर्स में हम हमेशा कहानी कहने की संभावनाओं को बढ़ाने में विश्वास करते हैं. यूट्यूब भुगतान मॉडल भारतीय रचनाकारों के लिए एक बिल्कुल नया आयाम खोलता है.

कलाकारों ने यादों और भविष्य की उम्मीदों के बारे में की बात!

टेलीविजन पिछले कई दशकों से भारतीय मनोरंजन का आधार रहा है. इसने कलाकारों को एक मंच, पहचान और नई उड़ान दी है और लाखों लोगों को साझा कहानियों के माध्यम से जोड़ा है. वर्ल्ड टेलीविजन डे के अवसर पर एण्डटीवी के प्रमुख कलाकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे टीवी ने उनके कॅरियर और व्यक्तित्व को निखारा. इन कलाकारों में शामिल हैं- पारस अरोड़ा (घरवाली पेड़वाली के जीतू), योगेश त्रिपाठी हप्पू की उलटन पलटन के हप्पू सिंह) और आसिफ शेख (भाबीजी घर पर हैं के विभूति नारायण मिश्रा. पारस अरोड़ा उर्फ घरवाली पेड़वाली के जीतू कहते हैं, मेरा टीवी से जुड़ाव बचपन में ही हो गया था. मैंने एक मशहूर शो में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम शुरू किया, और उसी अनुभव ने मुझे आज जो हूँ, वह बनने में बड़ी भूमिका निभाई. . मेरे लिए जीतू का किरदार निभाना एक तरह से पूरा सफर तय करने जैसा है-बचपन में शुरुआत की और अब एक ऐसे शो का हिस्सा हूँ जो एक अनोखी शैली को फिर से मुख्यधारा में ला रहा है. भारतीय मनोरंजन में टेलीविज़न हमेशा अहम रहा है, और घरवाली पेड़वाली जैसे नई तरह के शो ये बताते हैं कि आगे का सफर और भी रोमांचक होने वाला है .योगेश त्रिपाठी उर्फ हप्पू की उलटन-पलटन के दरोगा हप्पू सिंह कहते हैं, मेरी टीवी यात्रा मेरे जीवन का बड़ा मोड़ रही है. जब मैंने शुरुआत की, तब मेरे पास न पहचान थी, न ही कोई खास सहारा. मैंने छोटे-छोटे रोल किए, धीरे-धीरे अपने काम को निखारा .यह हमेशा भारत केआसिफ शेख, उर्फ भाबीजी घर पर हैं के विभूति नारायण मिश्रा बताते हैं, मैं टेलीविज़न से उसके शुरुआती दौर से जुड़ा हुआ हूं. मुझे भारत के पहले डेली सोप में लीड रोल करने का मौका मिला था, और वहीं से टीवी के एक नए सफर की शुरुआत हुई.

नागिन बन इवेंट में चमकीं प्रियंका चाहर

टीवी इंडस्ट्री की उभरती और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों हर जगह चर्चा में छाई हुई हैं. बिग बॉस 19 में अपनी दमदार मौजूदगी और शानदार फैन फॉलोइंग के बाद, प्रियंका अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट नागिन 7 के कारण सुर्खियों में हैं. एकता कपूर ने शो के मंच पर स्वयं प्रियंका को अगली नागिन घोषित किया था, जिसके बाद से ही अभिनेत्री लगातार नागिन अवतार में नजर आ रही हैं. हाल ही में वह कलर्स चैनल के एक शो में विशेष नागिन लुक में पहुंचीं, जहाँ उनकी हर अदा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. डार्क ब्लू लहंगे के डीप नेक डिजाइन ने उन्हें बोल्ड और ग्लैमरस लुक दिया. इसके साथ ही नागिन-स्टाइल ज्वेलरी—विशेषकर माथे की नागिन माथापट्टी और कमर पर बंधा नागिन कमरबंद—ने उनके पूरे अवतार को एकदम वास्तविक नागिन स्टाइल में बदल दिया. इस इवेंट में प्रियंका ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज़ दिए. उनकी अदाएं और एटीट्यूड इतने परफेक्ट थे कि सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें धड़ाधड़ वायरल होने लगीं.

बेसिक सुविधाएँ नखरा नहीं, ज़रूरत : शेफाली

बॉलीवुड में महिलाओं की वर्किंग कंडीशंस पर बहस एक बार फिर तेज हो गई है, और इस बार आवाज़ उठाई है दमदार अभिनेत्री शेफाली शाह ने. वेब सीरीज़ दिल्ली क्राइम से इंटरनेशनल पहचान पाने वाली शेफाली ने खुलकर बताया कि इंडस्ट्री में एक्टर्स के काम के घंटे और बेसिक सुविधाओं को लेकर कितना असंतुलन मौजूद है. दीपिका पादुकोण ने जब 'फिक्स्ड वर्किंग ऑवर्स' का मुद्दा उठाया था, तब लगा था कि शायद चीजें बदल रही हैं, लेकिन शेफाली के नए बयान बताते हैं कि सफर अभी लंबा है.

इंटरव्यू में शेफाली ने कहा कि दिल्ली क्राइम के हिट होने के बाद ही उन्हें वे चीजें मिलनी शुरू हुईं जो वह सालों से मांगती आ रही थीं. उन्होंने बताया कि बुनियादी सुविधाएँ माँगना भी उनके लिए अक्सर संघर्ष जैसा रहा है. चाहे वह होटल सुईट हो, एक वैनिटी वैन या फिर साफ-सुथरा टॉयलेट—इन चीज़ों को लोग 'लग्ज़री' समझ लेते हैं, जबकि ये वास्तव में बुनियादी ज़रूरतें हैं. शेफाली बताती हैं कि शूट के दौरान मेकअप और हेयर का सेटअप रखने के लिए उन्हें एक सुईट की ज़रूरत होती है. लेकिन जब वह यह मांगती हैं, तो उनसे पूछा जाता है— 'सुईट क्यों ?' इस पर शेफाली का जवाब बेहद तार्किक है— 'मीटिंग करनी है, तो कहाँ बैठेंगे ? मेरे बेड पर ? क्या ये सही लगेगा ?' उनकी बात साफ है— अभिनेत्रियों को काम के दौरान स्पेस न मिलना पेशेवर माहौल को प्रभावित करता है.

उन्होंने यह भी साझा किया कि एक दौर ऐसा था जब वह 24 घंटे लगातार शूट करती थीं. उस समय न मैनेजर था, न समर्थन. जो कहा जाता, वही मानना पड़ता. लेकिन दिल्ली क्राइम की सफलता के बाद स्थिति बदलने लगी—अब उनके कॉन्ट्रैक्ट में स्पष्ट लिखा है कि फिक्स्ड टाइम के बाद वह काम नहीं करेंगी. मज़ेदार बात यह है कि क्रू ने भी प्रशंसा की, क्योंकि उनकी टाइम-लीव की वजह से पूरी टीम को भी समय पर घर जाने का मौका मिला. शेफाली के अनुसार, उनकी मांगें सिर्फ व्यक्तिगत नहीं हैं. वह अपनी टीम के लिए भी खड़ी होती हैं.

प्रियंका चोपड़ा की मासूम मुस्कान ने फिर जीता दिल

स्कूलमेट ने शेयर की 9वीं क्लास की फोटो

प्रियंका चोपड़ा, जो आज एक ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं, अपने स्कूल के दिनों की अनदेखी तस्वीरों को लेकर फिर चर्चा में हैं. हाल ही में एक उनकी 9वीं क्लास की फोटो वायरल हुई है, जिसे उनके स्कूलमेट ने शेयर किया. तस्वीर में 14 साल की प्रियंका अपने क्लासरूम में किताब और पेन के साथ बैठी हैं और कैमरे की ओर हल्की मुस्कान दे रही हैं.

इस तस्वीर ने उनके फैंस को उनकी मासूमियत और पुराने दिनों की याद दिला दी. इस फोटो ने इंटरनेट पर धूम मचा दी, खासकर उस समय के उनके स्कूल के दोस्तों और फैंस के बीच. तस्वीर को देखकर लोगों को उनके मासूम और सरल व्यक्तित्व की झलक मिली. फैंस के बीच सबसे ज्यादा चर्चा उस कमेंट को लेकर हो रही है, जो प्रियंका के एक्स-बॉयफ्रेंड ने किया. उन्होंने लिखा कि वे दोनों एक-दूसरे को डेट करते थे और प्रियंका बाद में बोस्टन चली गई थी. उन्होंने यह भी बताया कि उस समय प्रियंका के गले में जो नेकलेस है, वह उनका था. इस खुलासे ने फोटो की वायरलिटी को और बढ़ा दिया. प्रियंका चोपड़ा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई अमेरिका में की थी.

रेड 3 की शूटिंग अगले साल होगी शुरू

अजय देवगन के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. रेड और रेड 2 की शानदार सफलता के बाद अब इस सुपरहिट फ्रेंचाइज़ी का तीसरा पार्ट बनने जा रहा है. अजय एक बार फिर इनकम टैक्स अधिकारी की दमदार भूमिका में वापसी करने के लिए तैयार हैं. निर्माता-निर्देशक राजकुमार गुप्ता के साथ उनकी यह तीसरी कोलैबोरेशन होगी, जिससे फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है. रिपोर्ट के अनुसार, रेड 3 की स्क्रिप्ट पर पिछले कई महीनों से लगातार काम चल रहा है.

मेकर्स इस बार कहानी को बड़ा, गहरा और अधिक रोमांचक बनाने की प्लानिंग कर चुके हैं. फिल्म को मेगा स्केल पर बनाया जाएगा और इसमें अजय देवगन एक ऐसी परिस्थिति से गुजरेंगे जिसे दर्शक पहले कभी नहीं देख पाए. किरदार एक ऐसी जालसाज़ी और शक्तिशाली सिस्टम से भिड़ेगा जो अब तक दर्शकों ने पर्दे पर नहीं देखा. मेकर्स इस प्रोजेक्ट को मेगा स्केल पर माउंट करने की तैयारी में हैं—लोकेशन्स, एक्शन, ड्रामा सब कुछ पिछली फिल्मों से बड़ा और भारी होगा. निर्देशक राजकुमार गुप्ता ने फिर से अजय के साथ जुड़ने का फैसला किया है, जो इस बात का संकेत है कि कहानी में पहले जैसा ईमानदार तीखापन जरूर होगा. स्क्रिप्ट पर महीनों से काम चल रहा है और अब यह अंतिम स्टेज में पहुँच चुकी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक शूटिंग अगले साल के सेकेंड हाफ में शुरू की जाएगी और इसके लिए जून 2026 का विंडो चुना गया है. दूसरी ओर अजय देवगन की व्यस्तता भी कम नहीं है. दे दे प्यार दे 2 रिलीज हो चुकी है और ठीक-ठाक कमाई कर रही है.

दूसरी बार मां बनने जा रहीं सोनम कपूर

सितारों ने जमकर दी बधाई

बॉलीवुड दुनिया में खुशियों का दौर जारी है और अब इस कड़ी में फैशन आइकॉन सोनम कपूर का नाम एक बार फिर शामिल हो गया है. सोनम कपूर ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक घोषणा कर दी है. जैसे ही उन्होंने खूबसूरत तस्वीरों के साथ इस खुशखबरी को साझा किया, पूरे सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई.

सोनम ने अपने मैटरनिटी फोटोशूट में एक हॉट-पिंक प्रिंसेस डायना-इंस्पायर्ड वूलन सूट पहना था. इस क्लासी आउटफिट में पैडेड शोल्डर्स और गोल्डन-बटन डिटेल्स थी, जिनकी वजह से यह लुक राजसी और विंटेज दोनों का खूबसूरत मिश्रण दिखाई दिया. सोनम का यह ग्लैमरस रूप इंटरनेट पर छा गया और फैंस ने उन्हें 'गॉर्जियस', 'सुपर एलीगेंट', 'मिलेनियल क्वीन' जैसे ढेरों कॉम्प्लिमेंट्स दिए.

पिंक आउटफिट में सोनम का ग्लैमरस अंदाज़ और खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया गया बेबी बंप फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है. सोनम ने कैप्शन में 'मदर ' लिखकर यह तस्वीरें साझा कीं, उनके पोस्ट पर बधाइयों की बरसात होने लगी. एक्ट्रेस ने तस्वीरें डालते ही उनके पति आनंद आहूजा ने भी तुरंत रिएक्ट करते हुए लिखा कि डबल ट्रबल, जिससे उनकी खुशी और एक्साइटमेंट साफ झलक रही थी. कपल के फैंस अब दूसरे बच्चे के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.